(3) Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of Power) and the Tehri. Hydro Development Corporation Limited (THDC), for the year 2009-10. [Placed in Library. *See* No. L.T. 162/15/09]

I. **Reports and Accounts (2007-08) of the Film and Television Institute of India and related papers**

II. **Reports and Accounts (2007-08) of the Prasar Bharti and related papers**

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (DR. S. JAGATHRAKSHAKAN): Sir, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:

I (a) Annual Report and Accounts of the Film and Television Institute of India (FTII), Pune, for the year 2007-08 together with the Auditors Report thereon.

(b) Review by Government on the working of the above Institute.

(c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) (a) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 397/15/09]

II (a) Annual Accounts of Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India), New Delhi, for the year 2007-08, together with the Auditor's Report on the Accounts, under sub-section (4) of Section 21 of the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990.

(b) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (ii) (a) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 396/15/09]

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Alleged irregularities in functioning of A.I.C.T.E.

SHRI M.V. MYSURA REDDY (Andhra Pradesh): Sir, with your permission, I wish to raise the issue regarding the irregularities in the functioning of the AICTE.

Sir, AICTE is the apex body to look after the standards of technical education in the country. There have been allegations that the Chairman, Members, Secretary and other officials are involving in corrupt practices and getting bad name, not only to the AICTE but also to the standard of education. Proving this correct, the CBI has caught red-handed one Member while accepting Rs. 5 lakhs as bribe from the management of an engineering college at Hyderabad. The CBI has also registered a case against the Chairman, Adviser and Regional Advisors on charges of corruption and nepotism.

The Minister of State for HRD has also written a letter to the Minister of HRD. With your permission, I wish to quote the letter. It says, "It is very sad that the AICTE, which is to strive for the progress of higher education in the country, is standing as a hurdle. All the technical institutions in the country have become frustrated. There is a delay in giving permission. Members and officials have become irresponsible. There is a high-level corruption. As a result, the technical institutions in the country are disillusioned. So, I request you to immediately take steps for overhaul of the entire AICTE set up."

This clearly shows the pathetic condition of the functioning of the AICTE. So, I request the hon. Minister to change the guidelines for sanctioning of engineering colleges. I also request for instituting an enquiry on the availability of quality of infrastructure, whether the qualified staff is available in engineering colleges and also the standard of education in the permitted colleges. Thank you.

Firing at army recruitment centre in Chandauli, Uttar Pradesh

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, धन्यवाद। मेरा विषय सेना में जवानों की जो भर्ती होती है, उसमें दलालों का वर्चस्व है, उसमें धांधली होती है, के संबंध में है। यह बहुत ही गंभीर प्रश्न है। दिनांक 19 जुलाई को चदौली जनपद, उत्तर प्रदेश में सेना में भर्ती हो रही थी। इस भर्ती का कार्यक्रम 13 जुलाई से चल रहा था और 20 जुलाई तक चलने वाला था। रक्षा विभाग की ओर भर्ती का काम सेना के अधिकारी और कर्मचारी कर रहे थे। 17 जुलाई को भर्ती का जो काम हुआ, उसमें धांधली हुई, इसका आरोप वहां भर्ती होने के लिए जो युवक आए थे, वे लगा रहे थे। उस समय चन्दौली प्रशासन और सेना के अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। 19 जुलाई को चन्दौली और पूर्वांचल के आसपास के 15 जिलों, गाजीपुर, आजमगढ़ और देवरिया आदि के 20 हजार नौजवान वहां भर्ती होने के लिए उपस्थित हो गए। यह भर्ती की प्रक्रिया सुबह 4 बजे से प्रारंभ कर दी गई। 7 बजे से लेकर 9 बजे तक दौड़ का एक कार्यक्रम था, जिसमे 4 राउंड लगाने होते थे। जो बच्चे 4 राउंड लगा लेते थे, उनको qualify कर दिया जाता था। जब आखिरी राउंड की दौड़ हो रही थी, तो सेना के अधिकारियों ने अपने चहेते बच्चों को, जिनको वे भर्ती करना चाहते थे, आखिरी राउंड में दौड़ाने का काम किया। इसी बात को लेकर वहां जो युवक भर्ती होने आए थे, वे आक्रोशित हो गए। इसके बाद वहां भगदड़ मच गई। भगदड़ में वहां firing हुई। बड़ी हास्यास्पद स्थिति है कि वहां सेना के जो उच्च अधिकारी थे, वे कहते हैं कि हमने firing नहीं की है; जिला प्रशासन जिसका काम law and order maintain करना था, वह कह रहा है कि हमने वहां पर firing नहीं की है। चन्दौली से जो समाचार मिल रहे हैं, उसमें 4 लोगों के मरने की बात सामने आ रही है। जिला प्रशासन कह रहा है कि वहां केवल एक आदमी मरा है। वस्तुस्थिति यह है कि उसमें कम-से-कम 4 लोगों की मौत हुई है और 1,000 लोग घायल हुए हैं। 7 घंटे तक पूरे चन्दौली जनपद का प्रशासन एकदम मूक दर्शक बना रहा और पूरा जनजीवन ठप रहा।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह चाहता हूं कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए कि सेना की तरफ से गोली चलाई गई है या स्थानीय प्रशासन की तरफ से गोली चलाई गई है। मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि सेना में जो भर्ती हो रही थी, उसमें युवकों द्वारा धांधली लगाने का जो आरोप है, वह सही है या गलत है?

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : सर, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : सर, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार) : सर, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सर, मैं अपने आपको इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Shri Kalraj Mishra to associate.

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : सर, मैंने नोटिस दिया है।